SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Bamboo Mat Weaver

बांस की चटाई बुनकर एक कुशल शिल्पकार होता है जो दिए गए पैटर्न या डिज़ाइन के अनुसार बांस की पतली, रंगीन पट्टियों से सुंदर चटाइयाँ और शीट बुनता है। इस काम में बांस की खूंटियों को पानी में भिगोकर नरम करना, ब्लीच करना, फिर उन्हें...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6305

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा

प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर

Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी

प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर

Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा

वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)

Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी

अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)

Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़

व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन

व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी

व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी

व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित

Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

बांस की चटाई बुनकर एक कुशल शिल्पकार होता है जो दिए गए पैटर्न या डिज़ाइन के अनुसार बांस की पतली, रंगीन पट्टियों से सुंदर चटाइयाँ और शीट बुनता है। इस काम में बांस की खूंटियों को पानी में भिगोकर नरम करना, ब्लीच करना, फिर उन्हें बराबर मोटाई की पट्टियों (स्प्लिंट) में चीरना, रंगना और करघे या हाथ से चटाई बुनना शामिल है। अंत में किनारों को साफ़ कर, ढीले सिरों को छुपाकर या बुनकर मज़बूत, आकर्षक चटाई तैयार की जाती है। यह पर्यावरण के अनुकूल हरित शिल्प है जो प्लास्टिक का बेहतरीन विकल्प देता है और पूर्वोत्तर व राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में आत्मनिर्भर रोज़गार का अच्छा साधन है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	8वीं पास + 18 वर्ष (एनएसक्यूएफ लेवल 3)
कोर्स अवधि	लगभग 3–6 माह
आरंभिक वेतन	₹8,000–12,000/माह
कार्य-शैली	बांस शिल्प इकाई/स्वरोज़गार, हस्तशिल्प

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- हाथ से कलात्मक और पर्यावरण के अनुकूल चीज़ें बनाने में रुचि
- पारंपरिक बुनाई, पैटर्न और डिज़ाइन में लगाव
- बांस जैसी प्राकृतिक सामग्री और हरित शिल्प में दिलचस्पी

क्षमताएँ

- लंबे समय तक बैठकर एकाग्रता से काम करने की क्षमता
- हाथों और आँखों का अच्छा समन्वय और बारीकी
- धैर्य, कलात्मक सोच और रंग-पैटर्न की समझ

ज़रूरी कौशल

- बांस की खूंटियों को भिगोकर नरम करना और ब्लीच करना
- बांस को समान मोटाई की पट्टियों (स्प्लिंट) में चीरना और छीलना

- पैटर्न के अनुसार पट्टियों को रंगना और सुखाना
- किनारों की फिनिशिंग, ढीले सिरे काटना व छुपाना
- गुणवत्ता जाँच, माप और बुनियादी लागत-हिसाब
- दिए गए डिज़ाइन में चटाई व शीट बुनना (हाथ/करघा)
- औज़ारों की देखभाल और कार्यस्थल की सुरक्षा

4 कैसे पहुँचें

1. 8वीं कक्षा पूरी करें और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. बांस शिल्प / बांस चटाई बुनाई में एनएसक्यूएफ लेवल 3 कोर्स के लिए एनएसडीसी/जेएसएस/सीबीटीसी केंद्र में नामांकन करें।
3. बांस भिगोने, चीरने, रंगने और बुनाई की व्यावहारिक ट्रेनिंग लें।
4. किसी बांस शिल्प इकाई, स्वयं सहायता समूह या मास्टर कारीगर के साथ अनुभव लें।
5. पीएम विश्वकर्मा व राष्ट्रीय बांस मिशन जैसी योजनाओं से टूलकिट, ऋण व मार्केटिंग सहायता लें।
6. अनुभव के साथ अपनी इकाई शुरू करें या मास्टर कारीगर/पर्यवेक्षक बनें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- संबंधित सेक्टर स्किल काउंसिल/एनएसडीसी द्वारा एनएसक्यूएफ स्तर मूल्यांकन व प्रमाणन

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न जिले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- केन एंड बैम्बू टेक्नोलॉजी सेंटर (CBTC) — गुवाहाटी, असम
- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- नॉर्थ ईस्ट केन एंड बैम्बू डेवलपमेंट काउंसिल (NECBDC) — गुवाहाटी, असम / पूर्वोत्तर भारत (https://necbdc.in/about-us/)
- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) प्रशिक्षण केंद्र — अखिल भारतीय (https://www.kvic.gov.in/)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- राष्ट्रीय बांस मिशन (NBM) — ऑनलाइन

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, जेएसएस, सीबीटीसी, केवीआईसी, राष्ट्रीय बांस मिशन, आरएसएलडीसी, पीएमकेवीवाई) के तहत यह प्रशिक्षण मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है; अक्सर प्रशिक्षुओं को स्टाइपेंड व टूलकिट भी मिलती है। निजी हस्तशिल्प कोर्स की फीस लगभग ₹3,000–15,000 तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- पीएम विश्वकर्मा योजना (कारीगरों हेतु टूलकिट, ऋण व सहायता) (https://pmvishwakarma.gov.in/)
- राष्ट्रीय बांस मिशन (National Bamboo Mission)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

बांस शिल्प निर्माण एजेंसियां, बांस उत्पाद बेचने वाली दुकानें, स्वयं सहायता समूह, बांस मिशन से जुड़े गैर सरकारी संगठन, निर्यातक इकाइयाँ और स्वरोज़गार/घर आधारित कार्यशालाएं।

कार्य-संस्कृति

काम आमतौर पर सप्ताह में 6 दिन, रोज़ 8–10 घंटे होता है, ज़्यादातर बैठकर हाथ से। मौसमी माँग और ऑर्डर के अनुसार काम बढ़-घट सकता है। यह क्षेत्र महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए भी अच्छे अवसर देता है।

कौन नौकरी देता है

- बांस शिल्प निर्माण एजेंसियां और हस्तशिल्प उद्यम
- राष्ट्रीय बांस मिशन व राज्य बांस मिशन से जुड़े एनजीओ व क्लस्टर
- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) व हस्तशिल्प विकास बोर्ड
- महिला स्वयं सहायता समूह (SHG) और उत्पादक सहकारी समितियां
- बांस उत्पाद निर्यातक और होम-डेकोर ब्रांड
- स्वरोज़गार — अपनी बांस चटाई/शीट बुनाई इकाई

माँग (2026)

प्लास्टिक के विकल्प के रूप में बांस उत्पादों की माँग तेज़ी से बढ़ रही है और सरकार राष्ट्रीय बांस मिशन व पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं से इस हरित शिल्प को बढ़ावा दे रही है। पर्यावरण-अनुकूल चटाई, शीट व होम-डेकोर की घरेलू व निर्यात माँग से कुशल बुनकरों के लिए अवसर स्थिर बने हुए हैं, खासकर पूर्वोत्तर भारत और ग्रामीण राजस्थान में।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सहायक (बांस बुनाई)
2. बांस की चटाई बुनकर
3. प्रक्रिया पर्यवेक्षक
4. प्रक्रिया प्रबंधक / मास्टर कारीगर / स्वरोज़गार उद्यमी

कमाई

शुरुआत	₹8,000–12,000/माह
मध्य स्तर	₹12,000–18,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹20,000–30,000+/माह

एनसीएस के अनुसार 2–4 साल के अनुभव वाले बांस चटाई बुनकर की आय लगभग ₹10,000–12,000/माह और 5 साल के अनुभव पर लगभग ₹13,000–15,500/माह होती है (सांकेतिक व परिवर्तनशील)। अपनी इकाई चलाने, निर्यात ऑर्डर लेने या मास्टर कारीगर/एसएचजी नेता बनने पर आय काफ़ी अधिक हो सकती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कम पूँजी में घर से शुरू किया जा सकने वाला हरित, आत्मनिर्भर काम
- सरकारी योजनाओं (पीएम विश्वकर्मा, बांस मिशन) से टूलकिट, ऋण व बाज़ार सहायता
- महिलाओं व दिव्यांगजनों के लिए भी उपयुक्त, बढ़ती इको-फ्रेंडली माँग

चुनौतियाँ

- लंबे समय बैठकर हाथ से काम करने से शारीरिक थकान
- शुरुआती स्तर पर आय सीमित और मौसमी माँग पर निर्भर
- कच्चे बांस की उपलब्धता और बाज़ार तक पहुँच की चुनौती

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Pradip Chakraborty
बांस शिल्पकार, दक्षिण त्रिपुरा — 'मन की बात' 2026 में प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेखित

दक्षिण त्रिपुरा के प्रदीप चक्रवर्ती ने अपनी माँ से प्रेरित होकर लगभग 17 वर्षों से बांस शिल्प को अपनाया और बुनी हुई बांस पट्टियों से बैग, ज्वेलरी बॉक्स व फोटो फ्रेम जैसे उत्पाद बनाकर एक इकाई खड़ी की। अप्रैल 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 133वें संस्करण में उनके काम की सराहना की, जिसके बाद उन्हें देशभर से पहचान मिली। त्रिपुरा बांस मिशन की मदद से आगे बढ़े प्रदीप अब 15–20 महिलाओं को रोज़गार देते हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि बांस बुनाई जैसे हरित शिल्प से गाँव में रहकर भी सम्मान और स्थिर आजीविका बनाई जा सकती है।

The News Mill · https://thenewsmill.com/2026/04/tripura-bamboo-artisan-gains-recognition-after-mention-in-pm-modis-mann-ki-baat/

Akshya Shree
संस्थापक, 'शिल्पकर्मन' — त्रिपुरा के बांस कारीगरों के साथ काम करने वाली महिला उद्यमी

अक्ष्या श्री ने वर्ष 2017 में 'शिल्पकर्मन' नामक सामाजिक उद्यम की शुरुआत की, जो त्रिपुरा के आदिवासी इलाकों से आए बांस से फर्नीचर, होम-डेकोर, दीवार पर टाँगने वाली कलाकृतियाँ और उपयोगी उत्पाद बनाता है। शुरुआती नुकसान और चुनौतियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और आज पाँच कारीगर क्लस्टरों के साथ मिलकर 250 से अधिक शिल्पकारों को आजीविका देती हैं; उनके 60% उत्पाद यूरोप व अन्य देशों को निर्यात होते हैं। उनकी कहानी उन युवतियों के लिए प्रेरणा है जो बांस जैसे पारंपरिक हरित शिल्प को आधुनिक बाज़ार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं।

YourStory (HerStory) · https://yourstory.com/herstory/2019/10/woman-entrepreneur-bamboo-artisans-tripura

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – बांस की चटाई बुनकर — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b8-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9a%e0%a4%9f%e0%a4%be%e0%a4%88-%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%95%e0%a4%b0/

2. पीएम विश्वकर्मा योजना — https://pmvishwakarma.gov.in/

3. द बेटर इंडिया – असम के बांस नवप्रवर्तक प्रभात सैकिया — https://thebetterindia.com/changemakers/prabhat-saikia-assam-bamboo-global-success-10505057

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in